विषयानुक्रमाणिका

पृष्ठ. संख्या

- **भूमिका** i-v

पहला अध्याय :- भारतीय साहित्य में राधा 1-12

1.1 राधा शब्द की उत्पत्ति और अर्थ

1.2 वेद एवं उपनिषद् में राधा

1.3 पुराणों में राधा

1.4 जयदेव का 'गीतगोविंद' जयदेव की राधा

1.5 विद्यापति की राधा

1.6 सूरदास की राधा

दूसरा अध्याय :- धर्मवीर भारती और रमाकांत रथ : एक परिचय 13-26

2.1 धर्मवीर भारती

2.2 धर्मवीर भारती की जीवनी

2.3 धर्मवीर की रचनाएं

2.4 रमाकांत रथ

2.5 रमाकांत रथ की जीवनी

2.6 रमाकांत रथ की रचनाएं

तीसरा अध्याय :- 'कानुप्रिया' और 'श्रीराधा' में प्रेम 27-63

3.1 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' में प्रेम का स्वरूप और तुलना

3.2 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' में पारंपरिक प्रेम कथन

3.3 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' के प्रेम में मांसलता और रति प्रसंग

3.4 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' का वैशिष्ट्य

चौथा अध्याय:- समकालीन संदर्भ में 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' के प्रेम का विश्लेषण और तुलना 64-85

4.1 समकालीन संदर्भ में 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' के प्रेम का महत्त्व, सार्थकता

4.2 समकालीन संदर्भ में 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' के प्रेम का विश्लेषण

4.3 समकालीन संदर्भ में 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' के प्रेम की तुलना

पाँचवाँ अध्याय:- 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' में शिल्पविधान 86-96

5.1 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' की शैली

5.2 'कनुप्रिया' और 'श्रीराधा' की काव्य-भाषा की तुलना

5.3 बिम्बों का प्रयोग

5.4 छंद का प्रयोग

5.5 अलंकार का प्रयोग

5.6 प्रतीक

उपसंहार 97-99

संदर्भ ग्रंथ सूची 100-102

परिशिष्ट 103-108